

प्रेषक,

बृजेश कुमार सन्त,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
हरिद्वार।

औद्योगिक विकास अनुभाग-1

देहरादून, दिनांक 10 सितम्बर, 2018

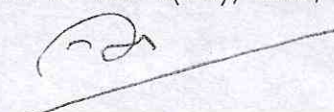
विषय: श्री अनिल कुमार पुत्र श्री धर्मपाल सिंह, निवासी 4 देवपुरा कालोनी, जनपद हरिद्वार को जनपद हरिद्वार, तहसील लक्सर, ग्राम रामपुर रायघटी अहतमाल के क्षेत्रान्तर्गत कुल रकवा 1.332 है० नाप भूमि में उपखनिज बालू, बजरी, बोल्टर के चुगान हेतु पर्यावरणीय अनुमति (Environment Clearance) प्राप्त होने के उपरान्त चुगान पट्टा स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध अवगत कराना है कि शासनादेश संख्या-736/VII-1/57-ख/2013 दिनांक 03 अप्रैल, 2013 द्वारा निजी नाप भूमि में स्वीकृत होने वाली उपखनिज के खनन पट्टों में आशय पत्र जारी किये जाने का प्राधिकार जिलाधिकारी में निहित था। तत्क्रम में जिलाधिकारी, हरिद्वार के कार्यालय ज्ञाप सं० 1000/खनन सहा०-2015 (ई०आई०ए०), दिनांक 4 अगस्त, 2015 द्वारा श्री अनिल कुमार पुत्र श्री धर्मपाल सिंह, निवासी 4 देवपुरा कालोनी, जनपद हरिद्वार को जनपद हरिद्वार, तहसील लक्सर, ग्राम रामपुर रायघटी अहतमाल के क्षेत्रान्तर्गत खसरा सं० 42/2, 42/6, 43/1 कुल रकवा 1.332 है० नाप भूमि उपखनिज बालू, बजरी एवं बोल्टर के चुगान हेतु चुगान पट्टा स्वीकृति हेतु ई०आई०ए० नोटिफिकेशन, 2006 के अन्तर्गत पर्यावरणीय अनुमति (Environment Clearance) प्राप्त किये जाने हेतु आशय पत्र (Letter of Intent) निर्गत किया गया था।

2. निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा पत्र संख्या-299/खनन/हरि०/भू०खनि०ई०/2018-19, दिनांक 11 जून, 2018 द्वारा श्री अनिल कुमार पुत्र श्री धर्मपाल सिंह, निवासी 4 देवपुरा कालोनी, जनपद हरिद्वार को आशय पत्र में स्वीकृत क्षेत्र की पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव निर्धारण प्राधिकरण उत्तराखण्ड के पत्र सं० 787-1(757)/2015, दिनांक 3 अक्टूबर, 2015 द्वारा प्रदत्त पर्यावरणीय अनुमति, आशय पत्र आदि की प्रति उपलब्ध कराते हुए श्री अनिल कुमार पुत्र श्री धर्मपाल सिंह, निवासी 4 देवपुरा कालोनी, जनपद हरिद्वार को उपखनिज के चुगान हेतु खनन पट्टा स्वीकृत किये जाने हेतु प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया गया है।

3. निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा प्रस्तुत उपरोक्त प्रस्ताव के क्रम में सम्यक् विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री अनिल कुमार पुत्र श्री धर्मपाल सिंह, निवासी 4 देवपुरा कालोनी, जनपद हरिद्वार को जनपद हरिद्वार, तहसील लक्सर, ग्राम रामपुर रायघटी अहतमाल के क्षेत्रान्तर्गत खसरा सं० 42/2, 42/6, 43/1 कुल रकवा 1.332 है० नाप भूमि में उपखनिज बालू, बजरी एवं बोल्टर के चुगान हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव निर्धारण प्राधिकरण उत्तराखण्ड के पत्र सं० 787-1(757)/2015, दिनांक 3 अक्टूबर, 2015 द्वारा प्रदत्त



पर्यावरणीय अनुमति तथा उत्तराखण्ड उपखनिज (बालू, बजरी, बोल्टर) चुगान नीति, 2016 के प्रावधानानुसार निम्नलिखित शर्तों के अधीन 01 (एक) वर्ष की अवधि हेतु चुगान पट्टा स्वीकृत किये जाने की अनुमति प्रदान की जाती है :-

1. पट्टाधारक द्वारा राज्य स्तरीय प्रभाव निर्धारण प्राधिकरण उत्तराखण्ड द्वारा पत्र संख्या- 787-1(757)/2015, दिनांक 3 अक्टूबर, 2015 द्वारा प्रदत्त अनुमति (Environment Clearance) में उल्लिखित समस्त शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
2. स्वीकृत क्षेत्र का सीमाबन्धन/पिलरबन्दी उत्तराखण्ड उपखनिज (परिहार) नियमावली, 2001 के नियम-17 के अनुसार भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के द्वारा राजस्व विभाग एवं वन विभाग के साथ संयुक्त रूप से पर्यावरणीय अनुमति सं० 787 -1(757)/2015, दिनांक 3 अक्टूबर, 2015 की शर्तों के अनुसार किया जायेगा।
3. खान अधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा कि सीमाबन्धित खनन क्षेत्र में स्थायी सीमा स्तम्भ लगाये जाने की पुष्टि के उपरान्त ही ई-रवन्ना प्रपत्र एम०एम०-11 पट्टाधारक को निर्गत किया जाय।
4. उत्तराखण्ड उपखनिज (परिहार) नियमावली, 2001 के नियम-14 के प्रावधानानुसार पट्टाधारक के द्वारा पट्टा विलेख के निष्पादन के पश्चात उक्त विलेख का पंजीकरण कराने के उपरान्त खनन क्षेत्र से उपखनिज का चुगान प्रारम्भ किया जायेगा।
5. पट्टाधारक द्वारा मा० उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा पारित आदेश दिनांक 17.10.2016 के अनुपालन में स्वीकृत खनन क्षेत्र में पुल से 01 किमी० अपस्ट्रीम एवं 01 किमी० डाउनस्ट्रीम को छोड़कर खनन कार्य किया जायेगा।
6. पट्टाधारक के द्वारा अनुमोदित खनन योजना के अनुसार प्रथम वर्ष में आर०एल० 236.00 मी० से आर०एल० 236.5 मी० तक 28471.50 टन, द्वितीय वर्ष में आर०एल० 236.00 मी० से आर०एल० 236.5 मी० तक 28471.50 टन, तृतीय वर्ष में आर०एल० 236.00 मी० से आर०एल० 236.5 मी० तक 28471.50 टन, चतुर्थ वर्ष में आर०एल० 236.00 मी० से आर०एल० 236.5 मी० तक 28471.50 टन एवं पंचम वर्ष में आर०एल० 236.00 मी० से आर०एल० 236.5 मी० तक 28471.50 टन उपखनिज का चुगान किया जायेगा।
7. पट्टाधारक के द्वारा उत्तराखण्ड उपखनिज (बालू, बजरी, बोल्टर) चुगान नीति, 2016 के बिन्दु सं०-22(6) के अनुसार चुगान कार्य प्रारम्भ किये जाने से पूर्व वाणिज्यिक विभाग एवं भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई में पंजीकरण कराया जाना होगा।
8. पट्टाधारक के द्वारा उत्तराखण्ड उपखनिज (बालू, बजरी, बोल्टर) चुगान नीति, 2016 के बिन्दु सं०-22(3) के अनुसार चुगान पट्टा क्षेत्र के निकासी गेटों पर कम्प्यूटराईज्ड धर्मकांटा एवं सी०सी०टी०वी० कैमरा स्वयं के व्यय पर स्थापित किया जायेगा तथा रिकार्डिंग की सी०डी० प्रत्येक माह भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के जिला कार्यालय एवं जिलाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत किया जायेगा।
9. प्रस्तावित स्थल में उपलब्ध उपखनिज की मात्रा का निर्धारण अनुमोदित खनन योजना के अनुसार किया जायेगा।
10. पट्टाधारक स्वीकृत क्षेत्र से उपखनिज बालू, बजरी, बोल्टर का चुगान सतह से 1.5 मी० की गहराई अथवा ग्राउन्डवाटर लेवल जो भी न्यून हो, तक चुगान किया जायेगा।
11. पट्टाधारक उपखनिज की निकासी का त्रैमासिक विवरण निर्धारित प्रपत्र एम०एम०-12 में जिलाधिकारी कार्यालय एवं भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई को प्रस्तुत करेगा।
12. पट्टाधारक द्वारा उत्तराखण्ड उपखनिज (बालू, बजरी, बोल्टर) चुगान नीति, 2016 एवं समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
13. पट्टाधारक स्वीकृत खनन क्षेत्र से उपखनिज की निकासी/परिवहन निर्धारित ई-रवन्ना प्रपत्र एम०एम० 11 पर करेगा।



14. पट्टाधारक उपखनिज की निकासी इस रीति से करेगा जिससे कि पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी को किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

कृपया उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से शासन को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(बृजेश कुमार संत)
अपर सचिव

संख्या: 1437 (1)/VII-1/2018 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड, देहरादून को उनके उक्तांकित पत्र दिनांक 11.6.2018 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
2. श्री अनिल कुमार पुत्र श्री धर्मपाल सिंह, निवासी 4 देवपुरा कालोनी, जनपद हरिद्वार।
3. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(गरिमा रौकली)
संयुक्त सचिव